आत्मवृत्त
(BIODATA)

प्रो.(डॉ.) कुबेर कुमावत
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग,प्रताप
महाविद्यालय (स्वशासी),
अमलनेर-४२५४०१,जिला-जलगाँव (महाराष्ट्र).

व्यक्तिगत परिचय (PERSONAL DETAILS) :

पिता का नाम : श्री.गोविंद रूपचंद कुमावत
माता का नाम : सौ.मीराबाई गोविंद कुमावत
जन्मतिथि : ३० मई,१९७२
जन्मस्थान : शेंदुर्णी, ता.जामनेर,जिला-जलगाँव,महाराष्ट्र.

शैक्षिक योग्यता (EDUCATIONAL QUALIFICATION) :

बी.ए.(BA) हिंदी : जून-१९९६,प्रथम श्रेणी.
एम्.ए.(MA) हिंदी : जून-१९९८,प्रथम श्रेणी,विश्वविद्यालय में सर्वप्रथम.
सेट (SET) हिंदी : दिसंबर-१९९८
पीएच.डी. (PHD.) : **जून-२०११, विषय - स्वातंत्र्योत्तर हिंदी डायरी साहित्य का अनुशीलन,**

अध्यापन का अनुभव (TEACHING EXPERIENCE) :

स्नातक स्तर (UG.) : १८ अक्टूबर,२००१ से अबतक
स्नातकोत्तर स्तर (PG.) : १८ अक्टूबर,२००१ से अब तक

सेवा विवरण (SERVICE DETAILS) :

सहायक प्राध्यापक (Assistant Professor) : १८ अक्टूबर,२००१ से १७ अक्टूबर,२०१५
सहयोगी प्राध्यापक (Associate Professor) : १८ अक्टूबर,२०१५ से २४ सितंबर,२०२०
प्राध्यापक (Professor) : २५ सितंबर,२०२० से अबतक

अतिरिक्त दायित्व :

१) सदस्य,हिंदी बोर्ड ऑफ़ स्टडीज,कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव.
२) अध्यक्ष,हिंदी बोर्ड ऑफ़ स्टडीज,प्रताप महाविद्यालय(ऑटोनोमस),अमलनेर.
३) अध्यक्ष,हिंदी बोर्ड ऑफ़ एग्जामिनेशन,प्रताप महाविद्यालय(ऑटोनोमस),अमलनेर.
४) सदस्य,अकेडमिक कौंसिल,प्रताप महाविद्यालय(ऑटोनोमस),अमलनेर.
५) सदस्य,भारतीय हिंदी परिषद्,प्रयागराज,उत्तर प्रदेश.
६) सदस्य,पियर रिव्यु कमिटी,'नव निकष' पत्रिका (ISSN : 0975-0827),Standard Journal Abbreviation ISO4,कानपुर.

सम्मान/पुरस्कार आदि :

अभी तक कोई सम्मान या पुरस्कार नहीं मिला.

पता : 'यूथिका',प्लाट नं.३८,१७६२/३, केले नगर, ढेकू रोड, अमलनेर-४२५४०१, जिला-जलगाँव, महाराष्ट्र, भारत(INDIA)
संपर्क : मोबाइल नं. : 9823660903 , Email Id. : kuberkumawat72@gmail.com

प्रकाशन

पत्र/पत्रिकाएं/जर्नल्स :

अ. क्र.	पत्र/पत्रिका/जर्नल्स का नाम	लेख/शोधआलेख/निबंध/पुस्तक-समीक्षा/डायरी/साक्षात्कार आदि का विवरण/शीर्षक.	ISSN NO.	माह/तिथि
1)	लोकमत समाचार	साहित्य की निष्कपट विधा है डायरी	.....	दिवाली विशेषांक-२०११
२)	पंचशील शोध समीक्षा	हिंदी की संपादित डायरियाँ	०९७५-२५८७	जनवरी-मार्च : २०१२
३)	नव निकष	राष्ट्रवाद की अवधारणा : हिंदी साहित्य	०९७५-०८२७	दिसंबर-२०१२

४)	लोकमत समाचार	डायरी स्वानुभवों का दस्तावेज है	.....	दिवाली विशेषांक-२०१२
५)	पंचशील शोध समीक्षा	अज्ञेय की टीपें बनाम डायरी साहित्य (भवन्ति,अन्तरा,शाश्वती एवं शेषा के संदर्भ में)	०९७५-२५८७	जनवरी-मार्च : २०१३
६)	नव निकष	हिंदी एवं मराठी डायरी साहित्य में तुलनात्मक अध्ययन की दिशाएँ	०९७५-०८२७	अप्रैल-२०१३
७)	राष्ट्रवाणी	डायरी विधा :अंतरंगता बनाम गोपनीयता की दृष्टी में	२३१९-६७८५	मई-जून : २०१३
८)	साक्षात्कार	आपातकाल का डायरी साहित्य	.....	जुलाई-२०१३
९)	पंचशील शोध समीक्षा	विदेशी भाषाओं से हिंदी में अनुदित डायरी साहित्य	०९७५-२५८७	जुलाई-सितंबर : २०१३
१०)	अलाव	आत्मसंवाद और संकल्पों भरी बातें	२२७८-५८८४	नवंबर-दिसंबर : २०१३
११)	नव निकष	रीतिकाव्य में प्राप्त सामाजिक मूल्य	०९७५-०८२७	दिसंबर-२०१३
१२)	संप्रेषण	डायरी जीवन सुलझाने का साधन है	२३४७-२९७९	जनवरी-मार्च : २०१४
१३)	पंचशील शोध समीक्षा	अज्ञेय की टीपें बनाम डायरी साहित्य	०९७५-२५८७	जनवरी-मार्च : २०१४
१४)	अभिनव इमरोज	डायरी स्वानुभवों का दस्तावेज है	२३२१-११०५	फ़रवरी-२०१४
१५)	साक्षात्कार	अपने आपसे बातें (पुस्तक समीक्षा)	.....	जुलाई-२०१४
१६)	संप्रेषण	डरा हुआ आदमी डायरी नहीं लिख सकता (डॉ.नरेंद्र मोहन से बातचीत)	२३४७-२९७९	जुलाई-सितंबर : २०१४
१७)	नव निकष	२१ वीं सदी का महिला डायरी लेखन	०९७५-०८२७	जनवरी-२०१५
१८)	अक्षरा	साहित्य की निष्कपट विधा है डायरी	.....	मार्च-अप्रैल : २०१६
१९)	सप्तपर्णी	डायरी भी एक रचना है (डॉ.रामदरश मिश्र से बातचीत)	२३४९-७५८०	जुलाई-दिसंबर : २०१५
२०)	अलाव	वैचारिक संवाद और ज्ञानात्मक संवेदना का दस्तावेज	२२७८-५८८४	जनवरी-अप्रैल : २०१७
२१)	नव निकष	डायरी कायदे से रोज लिखी जानी चाहिए (डॉ.हरदयाल से बातचीत)	०९७५-०८२७	मई-२०१७
२२)	हिंदुस्तानी	वर्तमान हिंदी डायरी : आत्मप्रकटीकरण की नयी दिशाएँ	०३७८-३९१x	अप्रैल-जून : २०१८
२३)	साक्षात्कार	यह मेरा वरण किया हुआ एकांत नहीं	२४५६-१९२४	जुलाई-२०१८
२४)	बहुवचन अंक-६०	आत्मप्रकटीकरण की नयी दिशाएँ : संभावनाएं	२४३८-४५८६	
२५)	नव निकष	जीवन संवेदनाओं के कसाव से युक्त कविताएँ	०९७५-०८२७	मार्च-२०१९
२६)	हिंदी अनुशीलन	डायरी साहित्य का विकासक्रम एवं सृजनात्मक डायरी	२२४९-९३०x	सितंबर-२०१८
२७)	पुस्तकवार्ता	डायरी में समाया जीवन प्रसंगों का लेखा	२३४९-१८०९	मई-दिसंबर : २०१९
२८)	समालोचन	शकुन्तिका का अर्थात	ऑ.जर्नल	जुलाई-२०२०
२९)	राष्ट्रभाषा	राष्ट्रभाषा हिंदी की समस्याएं	२३९५-२७९२	अगस्त-सितम्बर :२०२०
३०)	नव निकष	भागवत धर्म और साहित्य की अंतःसृजनात्मक परिक्रमा	०९७५-०८२७	सितंबर-२०२०
३१)	पुस्तक वार्ता	सर्वोत्तम शिक्षा की संभावनाओं की पड़ताल	२३४९-१८०९	अगस्त-दिसंबर : २०२०
३२)	लहक	आलोचना और रचना की उपेक्षा	२३४८-२६७२	जनवरी-नवंबर : २०२१
३३)	नव निकष	सर्वोत्तम शिक्षा की संभावनाओं की पड़ताल	०९७५-०८२७	अप्रैल-२०२२

३४)	हिंदी बुनियाद	चित्रलेखा का स्त्री विमर्श	.....	फ़रवरी-मार्च : २०२२
३५)	अक्षरा	विश्वभाषा हिंदी प्रेम और राजभाषा हिंदी की सच्चाई	२४५६-७१६७	सितंबर-२०२२
३६)	अक्षरा	साहित्य का मानस : श्रीराम परिहार(पुस्तक समीक्षा)	२४५६-७१६७	अक्टूबर-२०२२
३७)	विश्वगाथा	डायरी : कुछ आत्मपरक कुछ विचारपरक	२३४७-८७६४	अक्टूबर-दिसंबर : २०२२
३८)	प्रयागपथ	मरे अगर तो पूरा क्यों मरना चाहिए	२३९५-४०००	अक्टूबर-२०२२
३९)	इन्द्रप्रस्थ भारती	डायरी साहित्य की निधि	.....	अगस्त-२०२२
४०)	हिंदी बुनियाद	हिंदीतर भाषियों का हिंदी प्रेम	.....	अगस्त-सितंबर : २०२२
४१)	रचना उत्सव	चित्रलेखा : प्रेम एवं दांपत्य संबंध के अंतर्द्वंद्व की कथा	.....	फ़रवरी-२०२३
४२)	सोच विचार	मित्रता की अवधारणा (निबंध)	२३१९-४३७५	मार्च-२०२३
४३)	धरती	दिशाहीन रचना जीवन और प्रकृति का निषेध है (विजेंद्र की डायरी की समीक्षा)	२३४७-९१०८	जून-२०२३
४४)	साक्षात्कार	हिंदीतर भाषियों का हिंदी प्रेम और प्रेम की हिंदी	२४५६-१९२४	जन.-मार्च : २०२३
४५)	बया	हिंदी डायरी : उद्भव और विकास	२३२१-९८५८	.....-२०२३
४६)	इन्द्रप्रस्थ भारती	साहित्य में भाव का स्थायित्व आवश्यक है	.....	.....
४८)				
४९)				

- **प्रकाशित/प्रकाश्य पुस्तकें :**

1) पाठ्यपुस्तक 'लोकभारती' (कक्षा ९ वीं) : प्र.सं.२०१७,प्रकाशक : महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व् अभ्यासक्रम निर्मिती मंडल,पुणे में 'साहित्य की निष्कपट विधा है डायरी' यह निबंध प्रकाशित,मूल्य-38 रु.
2) 'लोग जिनकी जड़ें होती हैं' (कविता संकलन)(ISBN-978-81-945006-1-2) प्र.सं.२०२०,शिल्पायन प्रकाशन,नयी दिल्ली. मूल्य-३००रु.
3) 'चिंतनपरकता के आयाम' (पुस्तक समीक्षा,आलेख,निबंध,डायरी),(ISBN-) प्र.सं.२०२३,श्रीसाहित्य प्रकाशन, शहादरा,दिल्ली,मूल्य-५००रु.
4) 'कुछ प्रकारांतर से' (डायरी),प्र.सं.२०२३, शीघ्र प्रकाश्य.
5) 'डायरीनामा : चिंतन और समीक्षा',(आलोचना) शीघ्र प्रकाश्य.
6) 'हिंदी डायरी साहित्य का उद्भव एवं विकास',(आलोचना) शीघ्र प्रकाश्य.

- **स्वयं के सृजनात्मक साहित्य पर केंद्रित समीक्षा,लेख,प्रतिक्रिया आदि :**

'लोग जिनकी जड़ें होती हैं' कविता संकलन की समीक्षाएं :

1) 'विश्वगाथा' के अप्रैल-जून २०२२ (ISSN-2347-8764) में डॉ.श्रीराम परिहार कृत समीक्षा "घोसला बनाने का फैसला लेना ही होगा" प्रकाशित.
2) 'चिंतन-दिशा' के जनवरी-मार्च २०२२, में डॉ.सुनील पाण्डेय कृत समीक्षा "जिंदगी को जिंदगी की तरह कहने का साहस" प्रकाशित.
3) 'नव निकष' (ISSN-0975-0827) के मार्च-२३ अंक में डॉ.सुनील पाण्डेय कृत समीक्षा "जिंदगी को जिंदगी की तरह कहने का साहस" प्रकाशित.

- **कविताओं का प्रकाशन :** अक्षरा,संप्रेषण,वागर्थ,अक्षत,कृति ओर,नव निकष,कृति बहुमत,लोकमत समाचार आदि पत्र-पत्रिकाओं में कविताएँ प्रकाशित.

****